एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– द्वितीय वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र सैध्दांतिक II

सत्र– 20
पूर्णांक– 30
उत्तीर्णांक– 11
आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहाग, पूरिया, मालकौंस, देस)

इकाई–1

अ. ताल, लय, मात्रा, सम, ताली, खाली, आवर्तन।

ब. नाद की विशेषताएँ– सांगीतिक एवं असांगीतिक ध्वनि।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड सहित विवरण–
पूरिया, मालकौंस, देस।

ब. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 40 सिद्धांत।

इकाई–3

अ. गायकों के गुण।

ब. गायकों के अवगुण।

इकाई–4

अ. तबले का सचित्र वर्णन।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4. छोटाख्याल 5. ध्रुवपद ।

इकाई–5

अ. तानसेन का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन एवं दुगुन सहित लेखन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित)–
धमार, दादरा।

13.10.21

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– द्वितीय वर्ष

सत्र– 20

प्रायोगिक

पूर्णांक– 70

उत्तीर्णांक– 23

- गत वर्ष के प्रायोगिक पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- सैध्दांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र मे निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी।

(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहाग, पूरिया, मालकौंस, देस)

1. राग यमन, बिलावल एवं भैरव में क्रमांक 06 से 10 तक अलंकारों का गायन।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में सरगम गीत का गायन।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में लक्षणगीत का गायन।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं एक राग में एक विलंबित ख्याल का गायन (केवल बंदिश)।
5. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों में छोटा ख्याल का गायन (तानों सहित) एवं एक तराना गायन।
6. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों मे से किन्हीं एक राग में एक ध्रुवपद का गायन एवं दुगुन।
7. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली दे कर प्रस्तुति–
   तिलवाडा, कहरवा, दादरा, धमार।
8. लोकगीत का गायन।

13.10.21

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– तृतीय वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र सैध्दांतिक

सत्र– 20
पूर्णांक– 30
उत्तीर्णांक–11
आतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– बहार, मिथां मल्हार, अडाणा, दरबारी कान्हडा, भूपाली,, देशकार)

इकाई–1

अ. अंतराल, मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, ऑक्टेव।
ब. वाग्गेयकार की परिभाषा– प्रकार एवं लक्षण।

इकाई–2

अ. प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक कालीन श्रुति–स्वर व्यवस्था।
ब. ग्राम– परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई–3

अ. मूर्च्छना–परिभाषा एवं प्रकार।
ब. तान–परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई–4

अ. कर्नाटक पद्धति के मुख्य सात ताल।
ब. कर्नाटक पद्धति के विभिन्न गीत प्रकार।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन–परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान–

1. पं. भीमसेन जोशी
2. पं. कुमार गंधर्व
3. विदुषी किशोरी अमोनकर
4. विदुषी प्रभा अत्रे

13.10.21

Scanned with Oken Scanner

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

नातक– तृतीय वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र सैध्दांतिक II

सत्र– 20
पूर्णांक– 30
उत्तीर्णांक–11
आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र मे निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे-
(रागों के नाम– बहार, मियां मल्हार, अडाणा, दरबारी कान्हडा, भूपाली,, देशकार)

इकाई–1

अ. रागों का समय चक्र।

ब. संधिप्रकाश राग एवं परमेल प्रवेशक राग।

इकाई–2

अ. पाठ्यक्रम के रागों का विवरण तथा तुलनात्मक अध्ययन–

1. भूपाली–देशकार
2. बहार–मियांमल्हार
3. अडाणा–दरबारी कान्हडा

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन--

1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4 छोटाख्याल 5. धमार ।

इकाई–3

अ. पं. व्यंकटमखी के 72 मेलों की रचना का सिद्धांत।

ब. पं. भातखंडे के 32 थाटों की रचना का सिद्धांत।

इकाई–4

अ. एक सप्तक के आधार पर 484 रागों की रचना का सिद्धांत।

ब. थाट पूर्वी, मारवा, तोडी एवं भैरवी मे प्रारंभिक पांच अलंकारो का लेखन।

इकाई–5

अ. राग--रागिनी वर्गीकरण।

ब. ताल तीव्रा, रूपक, झूमरा, दीपचन्दी का ठाह, दुगुन एव चौगुन सहित लेखन।

13/10/21

Scanned with Oken Scanner

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– तृतीय वर्ष

सत्र– 20

पूर्णांक– 70

उत्तीर्णांक– 23

प्रायोगिक

- गत वर्षों के प्रायोगिक पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
- सैध्दांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र मे निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा सांपन्न होगी।

(रागों के नाम– बहार, मियां मल्हार, अडाणा, दरबारी कान्हडा, भूपाली,, देशकार)

1. ठाठ मारवा, पूर्वी, तोड़ी और भैरवी मे पांच प्रारंभिक अलंकारों का गायन।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में सरगम गायन।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में लक्षणगीत गायन।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों मे विलंबित ख्याल (गायकी सहित)।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों में छोटा ख्याल का गायन (तानों सहित)।
6. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसीं एक राग में एक धमार का गायन (दुगुन, चौगुन सहित)।
7. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली दे कर प्रस्तुति–
   रूपक, तीव्रा, झूमरा, दीपचंदी।

Babli

13.10.21

Scanned with Oken Scanner

(20)

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 20
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य I

पूर्णांक :– 30

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययनः–
   देश, बागेश्री, बृन्दावनी सारंग, भीमपलासी।

2. शुद्ध, छायालग, संकीर्ण रांग, ग्रह, अंश न्यास, अपन्यास, विन्यास का वर्णन।

इकाई–2

1. परिभाषाऐः– अल्पत्व, बहुत्व, स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग।
2. पाठ्यक्रम के रागों में मसीतखानी एवं रजाखानी गत (बोल, मात्रा, तोडो सहित) स्वरलिपि लेखन।

इकाई–3

1. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन लयों में सवरलिपि लेखन – एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल।
2. ग्राम, मूर्च्छना तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

इकाई–4

1. निम्नलिखित गीत प्रकारों का वर्णनः–
   लावनी, होरी, कजरी, चैती, मांड, गरवा, धुन, ध्रपद, धमार, तराना।

इकाई–5

जीवन परिचय एव संगीतिक योगदान।

1. उ. अलाउद्दीन खॉं।
2. आचार्य भरत।
3. पं. रविशंकर।
4. पं. शारगदेव।

13.10.21

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 20
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य II

पूर्णांक :–30

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययनः– भैरवी देशकार, ललित, पूरिया।
2. हार्मनी तथा मलॉड़ी की उदाहरण सहित व्याख्या।

इकाई–2

1. घराना व्याख्या एवं महत्व।
2. वाद्य संगीत के विभिन्न घराने(अपने वाद्य के संदर्भ में)

इकाई–3

1. रागों का समय चक्र– कोमल रे ध कोमल ग नी, परमेल प्रवेशक राग, अर्ध्वदर्शक स्वर, आश्रय राग संधि प्रकाश रागों के संदर्भ में।

इकाई–4

1. उत्तर भारतीय एवं कर्नाटक संगीत की स्वर पद्धति का विवेचना।
2. मध्यकालीन भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–5

संगीत विषयक निबन्ध लेखन।

13.10.21

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 20
तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–70

1. भैरव, भैरवी, विलावल थातों में अलंकारों का अपने वाद्य पर वादन तथा मिजराब के बोलो का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित किसी एक राग में मसीतखानी गत एवं सभी रागों में रजाखानी गत का वादन।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों को हाथ पर ठाह, दुगुन एवं चौगुन लयों में प्रदर्शनः– एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित किन्ही दो रागों में झाला वादन।

13.10.21

बी०ए० तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 20
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य I

पूर्णांक :–30

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विवेचनात्मक तथा तुलनात्मक अध्ययन-- दरबारी कान्हडा, शुद्ध कल्याण पूरिया धनाश्री, बहार।
2. निबद्ध तथा अनिबद्ध गान। देशी तथा मार्गी संगीत, अविर्भाव तथा तिरोभाव।

इकाई–2

1. पाठ्यक्रम के रागों में से मसीतखानी गत व रजाखानीगत बोल, मात्रा तथा तानों(तोड़ों) सहित।
2. तान तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

इकाई–3

1. व्यंकरमुखी के 72 मेल।
2. भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण।
3. निम्नलिखित तालों की ठाह दुगुन तथा चौगुन-- पंजाबी, धमार, झूमरा तथा आड़ा चौताल।

इकाई–4

1. स्वरों को श्रुतियों में बांटने का आधुनिक तथा प्राचीन ग्रन्थकरों के सिद्धान्त का वर्णन।
2. पं. अहोबल तथा पं. श्रीनिवास के अनुसार वीणा के तार पर शुद्ध एवं विकृत स्वरों की स्थापना।
3. स्वर संवाद– षडज मध्यम एवं षड़ज पंचम भाव।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय--

उस्ताद विलायत खॉ, पं. श्री निवास, निखिल बैनर्जी, अब्दुल हलीम जाफर खॉ।

13.10.21

Scanned with Oken Scanner

बी0ए0 तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 20·
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

II

पूर्णांक :–30

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विवेचनात्मक तथा तुलनात्मक अध्ययन– तोड़ी मियाँ मल्हार, जय–जयवन्ती तथा अड़ाना।
2. राग वर्गीकरण पद्धति का संक्षिप्त वर्णन।

इकाई–2

1. पाठ्यक्रम के रागों में से मसीतखानों व रज़ाखनीगत बोल, मात्रा तथा तानों (तोड़ों) सहित।
2. वाग्गेयकार की परिभाषा एवं लक्षण।

इकाई–3

1. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन– पंजाबी, धमार, झुमरा तथा आड़ा चौताल।
2. आधुनिक काल के भरतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–4

1. निम्नलिखित वाद्यों की ऐतिहासिक जानकारी:–
   मंत्तकोकिला, चित्रा, किन्नरी, विपंची, घोषा, पटह, मंदृग, हुडुक्का, वंशी तथा घटा।
2. तन्त्रों वाद्यों का विकास।

इकाई–5

संगीत विषयक निबंध।

13.10.21

बी0ए0 तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 20
तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–70

1. तोड़ी, असावरी, मारवा तथा पूर्वी थाटों के अंलकारों का अपने वाद्य पर वादन तथा मिजराब के बोलों का अभ्यास।

2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्ही तीन रागों में मसीतखनी तथा समस्त रागों में रजाखनी गत बोल, मात्रा तथा तानों (तोड़ो सहित)।

3. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों का हाथ पर प्रदर्शन ठाह, दुगुन तथा चौगुन–पंजाबी, झुमरा, धमार तथा आड़ चौताल।

4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्ही चार रागों में झाला वादन।

13.10.21

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

सत्र 2018–2019

कक्षा	–	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	–	50

उद्देश्य :– भारतीय नृत्यकला विद्यार्थी को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक स्तर पर सशक्त बनाती है, भारत में शास्त्रीय नृत्यों की एक समृद्ध परम्परा और इतिहास है। ये नृत्य हमारी सांस्कृतिक विरासत की मजबूत कड़ी है।

भारतीय कला व संस्कृति से परिचय कराती नृत्यकला का उच्च शिक्षा के अन्तर्गत विषय के रूप में अध्ययन न केवल छात्र को अपनी मजबूत सांस्कृतिक विरासत से परिचित करावेगा, अपितु उसे इस कला के शास्त्र और प्रायोगिक पक्ष में निहित सौदर्न्य को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

–:इकाई प्रथमः–

- कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का सामान्य परिचय
  1. लखनऊ घराना
  2. जयपुर घराना
  3. बनारस घराना
  4. रायगढ़ घराना
- नवाब वाजिदअली शाह का कथक नृत्य के विकास में योगदान

–:इकाई द्वितीयः–

- अभिनय की परिभाषा एवं उसके भेद।
- रस एवं भाव की परिभाषा।
- नव रसो का सामान्य परिचय।

–:इकाई तृतीयः–

- अभिनय दर्पण के अनुसारः–
  8 दृष्टि भेद
  7 भ्रकुटी भेद
- नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय
- अभिनय दर्पण का सामान्य परिचय

Scanned with Oken Scanner

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018–2019

कक्षा	–	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	–	50

–:इकाई चतुर्थः–

- लोकनृत्य की परिभाषा।
- मध्यप्रदेश के किसी एक लोकनृत्य का विस्तृत परिचय।
- नृत्य का अन्य ललित कलाओं से संबंध।

–:इकाई पंचमः–

- ताल परिचय एवं ठेके को थाह व दुगुन लय में लिखने का अभ्यास।
  1. ताल झपताल
  2. ताल एकताल
- ताल झपताल में बोलो को लिखने का अभ्यास।
- जीवन परिचयः–
  1. पं. कार्तिक राम
  2. डॉ. पुरू दाधीच
  3. श्रीमती कुमुदिनी लाखिया

पाठ्यक्रम हेतु संदर्भित पुस्तकों की सूचीः–

1. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 डॉ. पुरू दाधीच
2. कथक नृत्य शिक्षा भाग–2 डॉ. पुरू दाधीच
3. कथक दर्पण – तीरथराम आजाद
4. नृत्य निबंध – डॉ. पुरू दाधीच
5. भारत के लोकनृत्य – श्याम परमार
6. कथक अक्षरों की आरसी – डॉ. ज्योती बक्सी

13.10.21

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2019–2020

कक्षा	–	बी.ए. तृतीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	–	50

उद्देश्य :– भारतीय नृत्यकला विद्यार्थी को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक स्तर पर सशक्त बनाती है, भारत में शास्त्रीय नृत्यों की एक समृद्ध परम्परा और इतिहास है। ये नृत्य हमारी सांस्कृतिक विरासत की मजबूत कड़ी है।

भारतीय कला व संस्कृति से परिचय कराती नृत्यकला का उच्च शिक्षा के अन्तर्गत विषय के रूप में अध्ययन न केवल छात्र को अपनी मजबूत सांस्कृतिक विरासत से परिचित करावेगा, अपितु उसे इस कला के शास्त्र और प्रायोगिक पक्ष में निहित सौदर्न्य को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

–:इकाई प्रथमः–

- भारतीय नृत्यकला के विकास का संक्षिप्त इतिहास निम्नलिखित काल खण्डों में:–
  1. वैदिक काल
  2. रामायण, महाभारत काल
  3. पूर्व मध्यकाल
  4. मुगलकाल

–:इकाई द्वितीयः–

- आचार्य भरत वर्णित नाट्यशालाऐं:–
- कथक का नृत्तांग
  1. तत्कार
  2. हस्तक
  3. भ्रमरी
  4. ताल प्रबंध

–:इकाई तृतीयः–

- ताल के दश प्राणः–
- ताल शब्दावली :– जरब, कमलय, उठान, फरमाईशी, क़माली, जातीपरन, दुपल्ली, त्रिपल्ली, चौपल्ली
- भातखण्डे ताल पद्धति का सामान्य परिचय

13.10.21

Scanned with Oken Scanner

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2019–2020

कक्षा	–	बी.ए. तृतीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	–	50

–:इकाई चतुर्थः–

- राजा चकधर सिंग का नृत्य के विकास में योगदान।
- नृत्य संबंधी निबंध – अधिकतम 250 शब्द।
  1. नृत्य की गुरू–शिष्य परम्परा
  2. शास्त्रीय एवं लोकनृत्य
  3. नृत्य एवं योग
- रासलीला एवं कथक नृत्य

–:इकाई पंचमः–

- ताल एकताल में बोलो को लिपिबद्ध करने का अभ्यास
- जीवन परिचयः–
  1. श्रीमती रोहिणी भाटे
  2. पण्डित दुर्गालाल
  3. पण्डित बिरजू महाराज

पाठ्यक्रम हेतु संदर्भित पुस्तकों की सूचीः–

1. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 डॉ. पुरू दाधीच
2. कथक नृत्य शिक्षा भाग–2 डॉ. पुरू दाधीच
3. कथक दर्पण – तीरथराम आजाद
4. नृत्य निबंध – डॉ. पुरू दाधीच
5. भारत के लोकनृत्य – श्याम परमार
6. कथक अक्षरों की आरसी – डॉ. ज्योती बक्सी

13.10.21

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2021–22

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)

101– संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई –1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –

श्याम कल्याण, अहीर भैरव, शुद्ध सारंग, रागेश्री, बागेश्री, गुर्जरी तोड़ी।

इकाई –2

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके ठाह, दुगुन, चौगुन एवं आड़, कुआड़, विआड़ लय में लिखना एकताल, त्रिताल, आड़ा–चौताल

ब– हारमनी – मैलॉडी का अध्ययन।

इकाई –3

अ– प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास–आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित

ब– संगीत के सप्तक का विकास

इकाई –4

अ– राग– परिभाषा, जाति एवं प्रकार।

ब– राग वर्गीकरण– दशविधि राग वर्गीकरण एवं राग– रागिनी वर्गीकरण।

इकाई –5

अ– रस की परिभाषाएं, रस प्रकार, स्वर एवं रस का पारस्परिक संबंध।

ब– सौन्दर्य शास्त्र– रस एवं सौन्दर्य का पारस्परिक सम्बन्ध

13.10.21

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2021 – 22

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)

102 – भारतीय संगीत का इतिहास

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.गृ.–15

इकाई – 1

संगीत का उद्गम – भारतीय एवं पाश्चात्य मतानुसार।

इकाई – 2

भारतीय संगीत का इतिहास–वैदिक कालीन संगीत, सामवेद में संगीत।

इकाई –3

पौराणिक एवं महाकाव्य कालीन संगीत – (रामायण, महाभारत कालीन संगीत)

इकाई –4

जैन एवं बौद्ध कालीन संगीत, मौर्य एवं गुप्तकालीन संगीत।

इकाई –5

भरत कृत नाट्यशास्त्र एवं शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर के स्वर, श्रुति, सारणा प्रकरण का अध्ययन

13.10.21

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2021 – 22

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

103– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- श्याम कल्याण
- शुद्ध सारंग
- अहीर भैरव
- रागे श्री
- बागे श्री
- गुर्जरी तोड़ी

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- परमेश्वरी
- मारवा
- सोहनी
- मधमाद सारंग
- मेघ मल्हार
- बैरांगी भैरव

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो रागों में विलम्बित रचनाएं एवं सभी रागों में द्रुत रचनाएं।

सामान्य अध्ययन के किन्हीं चार रागों में द्रुत रचनाएं।

Babli

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2021-22

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

104 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक -100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

बिहाग, बागेश्री, मालकौंस, कामोद, केदार, खमाज, पीलू, काफी।
शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2021–22

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

201– संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धांत

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई –1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –
देवगिरि बिलावल, यमनी बिलावल, मारू बिहाग, नायकी कान्हड़ा, झिंझोटी, मुल्तानी।

इकाई –2

पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं द्रुत बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास। आलाप, तान–तोड़ों सहित।

इकाई –3

निम्नांकित का अध्ययन –
मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, डायटोनिक स्केल, क्रोमेटिक स्केल, समविभागीय स्वर सप्तक।

इकाई –4

राग वर्गीकरण– थाट राग, राग–रागांग वर्गीकरण।

इकाई –5

अ– गायन हेतु– दिये गये पदों को उचित राग एवं ताल में निबद्ध करना।

ब– वादन हेतु– मिजराब के बोलों के आधार पर त्रिताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में गत रचना।

स– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह तिगुन, छह गुन के साथ आड, कुआड, बिआड में लिखना। चौताल, तिलवाडा, दीपचन्दी।

13.10.21

Scanned with Oken Scanner

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2021–22

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

202– भारतीय संगीत का इतिहास

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई –1

खण्डमेरू, स्वर प्रस्तार, नश्टोदिष्ट प्रकरण (शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर के संदर्भ में)

इकाई –2

अ– भारतीय संगीत के मध्यकाल का इतिहास–मानसिंह कालीन संगीत

ब– मुगलकालीन संगीत।

इकाई –3

संगीत के घरानों की ऐतिहासिक जानकारी एवं निम्न घरानों का विशेष अध्ययन– ग्वालियर, किराना, जयपुर, आगरा, सेनिया, इमदाद खाँ घराना।

इकाई –4

आधुनिक कालीन संगीत – पं. भातखण्डे, पं. पलुस्कर का योगदान

इकाई –5

निम्नलिखित विषयों पर लगभग 400 शब्दों का निबन्ध लेखन–

1. भारतीय संगीत में गुरू शिष्य परम्परा।
2. शास्त्रीय संगीत की मंचीय प्रस्तुति का क्रम।
3. संगीत एवं चिकित्सा का सम्बन्ध।
4. राग एवं समय सिद्धांत का मनोवैज्ञानिक प्रभाव।
5. महाविद्यालयीन शिक्षा का प्रारंभ एवं भविष्य

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2021-22

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

203 – राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विभाग के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- देवगिरी बिलावल
- यमनी बिलावल
- मारू बिहाग
- नायकी कान्हड़ा
- सूर मल्हार
- झिंझोटी

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- सूहा
- सुघराई
- सहाना
- देस
- संरस्वती
- कलावती

विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो रागों में विलम्बित रचनाएं एवं तीन रागों में द्रुत रचनाएं एवं सामान्य अध्ययन के रागों में कोई तीन एक रचनाएं।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2021-22

चतुर्थ प्रश्न-पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

204 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न-पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न-पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा अथवा टप्पा-उपज के साथ एवं वादन हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

यमन, जौनपुरी, दरबारी कान्हाड़ा, मुल्तानी, पहाड़ी, शिवरंजनी, अड़ाणा, मारवा।
शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

13.10.21

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2021-22

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

301– व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –
आभोगी कान्हाड़ा, कौसी कान्हाड़ा, बिलासखानी तोड़ी, जोगिया, देसी, गोरख कल्याण।

इकाई – 2

प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों को विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित।

इकाई –3

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके – ठाह, आड, कुआड, बिआड लय में लिखना। रूपक, चौताल, पंचम सवारी। (कोई एक)

ब– हिन्दुस्तानी एवं पाश्चात्य नोटेशन पद्धतियों का अध्ययन।

इकाई –4

निबद्ध एवं अनिबद्ध गान–गायन, वादन की विभिन्न गीत शैलियों का अध्ययन

इकाई –5

अ– हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के चालीस सिद्धान्त (भातखण्डे जी की पद्धति अनुसार)।

ब– पं. भीमसेन जोशी, किशोरी अमोनकर, आचार्य वृहस्पति, रविशंकर, विलायत खाँ का जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध तृतीय सेमेस्टर 2021-22

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

302 – ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई –1

1.1 मार्गी और देशी संगीत का अध्ययन

1.2 कंठ स्वर संस्थान की जानकारी एवं कंठ संस्कार।

इकाई –2

भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण। प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक मतानुसार।

इकाई –3

हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी संगीत पद्धतियों के प्रकारों का तुलनात्मक अध्ययन।

(1) राग एवं थाट (2) गायन शैलियाँ

इकाई –4

गीत रचना के सिद्धान्त एवं दिये गये पदों को उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।

वादन हेतु – बोलों के आधार पर त्रिताल के किसी अन्य ताल में गत रचना।

इकाई –5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 400 शब्दों का निबंध लेखन।

लोक संगीत, भारतीय शास्त्रीय संगीत का भविष्य तथा लोकप्रियता, वाद्य वृंद, संगीत एवं योग, दूरस्थ संगीत शिक्षण पद्धति की उपयोगिता, शास्त्रीय संगीत में डलैक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्रों का उपयोग एवं उपादेयता।

13.10.21

Scanned with Oken Scanner

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध तृतीय सेमेस्टर 2021–22

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

302 – ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई –1

1.1 मार्गी और देशी संगीत का अध्ययन

1.2 कंठ स्वर संस्थान की जानकारी एवं कंठ संस्कार।

इकाई –2

भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण। प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक मतानुसार।

इकाई –3

हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी संगीत पद्धतियों के प्रकारों का तुलनात्मक अध्ययन।

(1) राग एवं थाट (2) गायन शैलियाँ

इकाई –4

गीत रचना के सिद्धान्त एवं दिये गये पदों को उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।

वादन हेतु – बोलों के आधार पर त्रिताल के किसी अन्य ताल में गत रचना।

इकाई –5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 400 शब्दों का निबंध लेखन।

लोक संगीत, भारतीय शास्त्रीय संगीत का भविष्य तथा लोकप्रियता, वाद्य वृंद, संगीत एवं योग, दूरस्थ संगीत शिक्षण पद्धति की उपयोगिता, शास्त्रीय संगीत में इलैक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्रों का उपयोग एवं उपादेयता।

13.10.21

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध तृतीय सेमेस्टर 2021–22

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

303– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- आभोगी कान्हड़ा
- कौंसी कान्हड़ा
- बिलासखानी तोड़ी
- जोगिया
- देसी
- गोरख कल्याण

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- हंस ध्वनि
- जोग
- वसंतमुखारी
- हिंडोल
- भूपाल तोडी
- कोमलरिषभ आसावरी

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से 2 रागों में विलंबित ख्याल एवं सभी में द्रुत रचनाएं। सामान्य अध्ययन के रागों में [illegible] में द्रुत रचनाएं।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2021-22

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

304 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विभाग के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा–अथवा लयकारियों एवं उपज के साथ एक वादन गत। तीनताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

भूपाली, मियाँ मल्हार, पूरियाधनाश्री, वृंदावनी सारंग, देस, बिहाग, पीलू, काफी।
शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2021–22

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

401– व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन–

विभास, मधुवंती, पूरियाकल्याण, चन्द्रकौंस, भटियार, जोगकौंस

इकाई – 2

प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित।

इकाई –3

अ– दक्षिणी एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धतियों की तुलना जाति भेद सहित।

ब– प्रचलित उत्तर भारतीय प्रमुख तालों को कर्नाटकी ताल पद्धति के अनुसार लिखना।

इकाई –4

(1) पाश्चात्य संगीत, (2) सुगम संगीत की स्वरलिपि का अध्ययन एवं अष्टछाप संगीत का अध्ययन

निम्न रागांगों का विशेष अध्ययन– कल्याण, भैरव, सारंग अंग

इकाई –5

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह, आड, कुआड, बिआड लय में लिखना। झपताल, धमार, तिलवाडा।

ब– दिये गये पद को उचित ताल एवं राग में निबद्ध करना।
वादन हेतु– बोलों के आधार पर त्रिताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में गत रचना।

13.10.21

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2021-22

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

402 – ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई – 1

(1) नाद– प्रकार एवं विशेषताएँ

(2) स्वयंभू नाद (3) कर्ण की बनावट एवं श्रवण सिद्धांत।

इकाई – 2

ध्वनि विज्ञान– अनुरंजन, परावर्तन, आवर्तक, विवर्तन, अनुनाद, प्रतिध्वनि, दोलन एवं वहन, ध्वनि वेग तथा ध्वनि सम्बन्धित ज्ञान।

इकाई –3

(1) निम्न रागांगों का विशेष अध्ययन– मल्हार, कान्हाड़ा एवं तोड़ी।

(2) पं. अहोबल एवं व्यकंटमखी के ग्रंथों का अध्ययन।

इकाई –4

दिये गये पद एवं सितार के बोलों के आधार पर स्वर रचना का अभ्यास।

इकाई –5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 400 शब्दों का निबंध लेखन।

संगीत एवं रस, महाविद्यालयीन संगीत शिक्षा भविष्य एवं नवाचार की संभावनाएं, रवीन्द्र संगीत, महाराष्ट्र की कीर्तन परम्परा।

संगीत में शोध प्रविधि – परिभाषा, स्वरूप एवं संक्षिप्त परिचय।

13.10.21

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध चतुर्थ सेमेस्टर 2021-22

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

403– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2016–17 से प्रभावशील

पूर्णांक–100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग (कोई चार) –

- विभास
- मधुवंती
- पूरिया कल्याण
- चन्द्रकौंस
- भटियार
- जोगकौंस

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- पूरिया
- धनाश्री
- नटभैरव
- श्री
- मियाँ की सारंग
- रामदासी मल्हार

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से 2 रागों में विलम्बित रचनाएं एवं सभी रागों में द्रुत रचनाएं।

सामान्य अध्ययन के रागों में कोई 4 द्रुत रचनाएं।

13.10.21

रा.रा. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. संगीत चतुर्थ सेमेस्टर 2021-22

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

404 – मंच प्रदर्शन

पूर्णांक–100

अ प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा–अथवा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

देशकार, शंकरा, तिलक कामोद, भैरव, छायानट

शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. संगीत चतुर्थ सेमेस्टर 2021-22

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

404 – मंच प्रदर्शन

पूर्णांक–100

अ प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा–अथवा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

देशकार, शंकरा, तिलक कामोद, भैरव, छायानट

शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Vocal) **SUBJECT**

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A INTRODUCTION OF THE PAPER भाग – अ प्रश्न-पत्र का परिचय			
SESSION : सत्र : 2021 – 2022	PROGRAM : प्रोग्राम : B.A.	YEAR : वर्ष : II nd year	SUBJECT : विषय : Vocal
SUBJECT : विषय : Music Vocal			

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper I सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र	
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित	
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड		
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in 12th & 1st year बारहवीं एवं प्रथम वर्ष उत्तीर्ण	
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. विभिन्न पाठ्यक्रम के रागों का परिचय एवं ज्ञान। 2. भारतीय संगीत का ऐतिहासिक एवं सिद्धांतों का परिचय 3. भारतीय संगीत की रचनाओं के लेखन का परिचय। 4. अपने वाद्य का ज्ञान, एवं रचनाओं से परिचय। 5. ताल का परिचय। 6. प्रमुख संगीतकारों संगीत में योगदान।	
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. छात्रों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की सैद्धांतिक एवं 2. प्रायोगिक पक्ष की जानकारी; जिससे विषय के प्रति 3. रुचि एवं रुझान बढ़े। 4. 5. 6.	
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान		
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: अधिकतम अंक : 30 आ.मू. 10	MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 11

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Vocal) **SUBJECT**

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A INTRODUCTION OF THE PAPER भाग – अ प्रश्न-पत्र का परिचय				
SESSION : सत्र : 2021 – 2022		PROGRAM : प्रोग्राम : B.A-II	YEAR : वर्ष : IInd year	SUBJECT : विषय : Vocal
SUBJECT : विषय : Music Vocal				
1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper II सैद्धांतिक प्रश्न पत्र II द्वितीय		
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित		
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड			
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Passing 12th & 1st year बारहवीं एवं प्रथम वर्ष उत्तीर्ण		
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. विभिन्न पाठ्यक्रम के रागों का परिचय एवं ज्ञान। 2. भारतीय संगीत के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक सम्बन्धी 3. एवं ऐतिहासिक पक्ष की जानकारी छात्रों को 4. प्राप्त हो। 5. 6.		
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रति रुचि एवं 2. ज्ञान बढ़ाने का प्रयास। 3. 4. 5. 6.		
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान			
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: 30 अधिकतम. अंक : 10		MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 11

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Vocal) SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

<table>
<tr><td colspan="4">PART – A
INTRODUCTION OF THE PAPER
भाग – अ
प्रश्न–पत्र का परिचय</td></tr>
<tr><td>SESSION :
सत्र : 2021-2022</td><td>PROGRAM :
प्रोग्राम : B.A.</td><td>YEAR :
वर्ष : III rd year</td><td>SUBJECT :
विषय : Vocal</td></tr>
<tr><td colspan="4">SUBJECT :
विषय : Music Vocal</td></tr>
</table>

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper I सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in I & II nd year बी.ए. प्रथम एवं द्वितीय उत्तीर्ण
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. विभिन्न पाठ्यक्रम के रागों का परिचय एवं ज्ञान। 2. भारतीय संगीत के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक 3. 4. सम्बन्धी विभिन्न विषयों एवं पक्षों की 5. जानकारी। 6.
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. भारतीय संगीत को अध्ययन अध्यापन की दृष्टि 2. 3. से रुचिकर बनाना एवं उसके मूल सिद्धांतों 4. 5. को समझाना। 6.
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: अधिकतम अंक : 30 10 आ.मू.
		MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 11

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Vocal) SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A INTRODUCTION OF THE PAPER भाग – अ प्रश्न-पत्र का परिचय			
SESSION : सत्र : 2021-2022	PROGRAM : प्रोग्राम : B.A.	YEAR : वर्ष : III rd year	SUBJECT : विषय : Vocal
SUBJECT : विषय : Music Vocal			

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper II सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र	
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित	
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	Pass in I & II nd year बी.ए. प्रथम एवं द्वितीय उत्तीर्ण।	
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा		
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. 2. 3. 4. 5. 6. भारतीय संगीत के शास्त्र के अनुसार, रागों का परिचय, राग समय सिद्धांत, थाट निर्माण प्रक्रिया, राग निर्माण सिद्धांत एवं वर्गीकरण की समस्त जानकारी।	
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. 2. 3. 4. 5. 6. भारतीय संगीत के मूल सिद्धांतों एवं शास्त्र पक्ष से छात्रों को अवगत कराना जिससे उच्चस्तरीय अध्ययन के लिए तैयारी हो सके।	
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान		
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: 30 अधिकतम अंक : 10 [illegible]	MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 11

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Vocal) **SUBJECT**

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां		
1.	PROGRAM SPECIFIC TITLE : विशिष्ट प्रोग्राम का शीर्षक	B.A. वी.ए.
2.	PROGRAM TYPE : विशिष्ट प्रोग्राम का प्रकार	Regular नियमित
3.	PROGRAM CODE : विशिष्ट प्रोग्राम का कोड	
4.	PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) FOR UG	1. 2. 3. 4.
	स्नातक स्तर के लिये विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां	1. भारतीय संगीत के मूल सिद्धांतों एवं शास्त्र 2. एवं से विद्यार्थियों को अवगत कराना; जिससे 3. उच्चस्तरीय अध्ययन की तैयारी हो सके। 4.
5.	PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) FOR PG	1. 2. 3. 4.
	स्नातकोत्तर स्तर पर विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां	1. 2. 3. 4.
6.	PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) FOR Ph.D	1. 2. 3. 4.
	पीएच.डी स्तर पर विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां	1. 2. 3. 4.

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR MUSIC INSTRUMENT SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A
INTRODUCTION OF THE PAPER
भाग – अ
प्रश्न-पत्र का परिचय

SESSION : 2021 - 2022 सत्र : 2021 - 2022	PROGRAM : B.A. प्रोग्राम : बी. ए.	YEAR : II वर्ष : द्वितीय	SUBJECT : INSTRUMENT विषय : वाद्य
	SUBJECT : MUSIC (Instrumental) विषय : संगीत (वाद्य संगीत)		

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper I सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न-पत्र
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	~~Pass in XII^th & BA. I^st year.~~
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in XII^th & BA I^st year 12वीं एवं बी.ए. प्रथम ~~प्रश्न पत्र~~ उत्तीर्ण
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. To Know about different Rags. 2. To learn about classification of Rag. 3. To write different notations 4. Know different tals with layas. 5. Knowledge of different geet forms. 6. Contribution of different musicians in field of Music.
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों का ज्ञान 2. रागों के विभिन्न वर्गीकरण का ज्ञान 3. भारतीय संगीत के रागों के लेखन का अभ्यास 4. विभिन्न तालों का ज्ञान होगा लयकारियों सहित 5. संगीत के विभिन्न गीत प्रकारों का ज्ञान 6. संगीतकारों का संगीत क्षेत्र में योगदान
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: अधिकतम अंक : 30 — MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 11

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music Instrument SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A INTRODUCTION OF THE PAPER भाग – अ प्रश्न-पत्र का परिचय				
SESSION : 2021-2022 सत्र : 2021 – 2022	PROGRAM : B.A. प्रोग्राम : बी. ए.	YEAR : II वर्ष : द्वितीय वर्ष	SUBJECT : ~~INSTRUMENT~~ विषय : वाद्य संगीत	
SUBJECT : विषय :				
1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper II सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्न-पत्र		
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित		
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड			
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in XII th and BA I year. 12वी. एवं बी. ए. प्रथम वर्ष उत्तीर्ण.		
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. Detail Knowledge of Rags. 2. Know about Harmony and Melody 3. To Know about impartance of Gharanas. 4. Time Cycle of Rags. 5. Knowledge of Indian and Karnatak music. 6.		
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. रागों का विस्तृत ज्ञान होगा। 2. हार्मनी और मेलोडी का ज्ञान होगा। 3. घरानों के महत्व का ज्ञान होगा। 4. रागों के समय चक्र का ज्ञान। 5. भारतीय एवं कर्नाटक संगीत पद्धति का ज्ञान। 6. भारतीय संगीत के इतिहास का संक्षिप्त ज्ञान		
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान			
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: अधिकतम अंक : 30	MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 11	

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music Instrument SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A INTRODUCTION OF THE PAPER भाग – अ प्रश्न–पत्र का परिचय			
SESSION : 2021 -2022 सत्र : 2021 - 2022	PROGRAM : B.A. प्रोग्राम बी. ए.	YEAR : III year वर्ष : तृतीय वर्ष	SUBJECT : Instrument विषय :: वाद्य संगीत
SUBJECT : विषय :			

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper I सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न -पत्र
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in XII^th, BA I and BA II year 12वीं, बी. ए. प्रथम एवं बी. ए. द्वितीय वर्ष
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. To know about comparative study of rag. 2. Learn about notation writing. 3. Knowledge of tan & its different forms. 4. Know about 72 mela. 5. To know about Dugun and Chaugun of tala. 6. Placement of swars on the strings of veena. 7. Contribution of different musicians in the field of music.
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. रागों के तुलनात्मक अध्ययन का ज्ञान होगा। 2. बंदिशों के लेखन का ज्ञान होगा। 3. तान और उसके विभिन्न प्रकारों का ज्ञान। 4. 72 मेल का ज्ञान होगा। 5. विभिन्न तालों की दुगुन और चौगुन का अभ्यास। 6. वीणा के तारों पर स्वरों की स्थापना का ज्ञान। 7. विभिन्न कलाकारों के सांगितिक योगदान का ज्ञान होगा।
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: अधिकतम अंक : 30 MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 11

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR MUSIC INSTRUMENT SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A INTRODUCTION OF THE PAPER भाग – अ प्रश्न-पत्र का परिचय				
SESSION : 2021 - 2022 सत्र : 2021 – 2022	PROGRAM : B.A. प्रोग्राम : बी. ए.	YEAR : III year वर्ष : तृतीय वर्ष	SUBJECT : Instrumental- विषय : वाद्य संगीत	
SUBJECT : विषय :				
1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper II सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्न-पत्र		
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित		
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड			
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in XII th, BA I and BA II year 12वीं, बी. ए. प्रथम और बी. ए. द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण		
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. Know about different forms of Rag classification. 2. Know fully about Vakeykar. 3. Have knowledge of different string instruments. 4. Know about Modern period of Indian music history. 5. Get knowledge of different laykaris. 6.		
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. राग वर्गीकरण के विभिन्न प्रकारों का ज्ञान होगा। 2. वाग्गेयकार की संपूर्ण जानकारी होगी। 3. विभिन्न तंत्री वाद्यों का ज्ञान होगा। 4. आधुनिक काल के भारतीय संगीत के इतिहास का ज्ञान होगा। 5. विभिन्न लयकारियों का ज्ञान होगा।		
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान			
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: अधिकतम अंक : 30	MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 11	

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music Instrument SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PROGRAM OUTCOME (PO) प्रोग्राम की परिलब्धियां		
1.	PROGRAM TITLE : प्रोग्राम का शीर्षक	BA बी. ए.
2.	PROGRAM TYPE : प्रोग्राम का प्रकार	Regular नियमित
3.	PROGRAM CODE : प्रोग्राम का कोड	
4.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in XII th class. 12वी. कक्षा उत्तीर्ण
5.	PROGRAM OUTCOME (PO) FOR UG	1. To impart knowledge of Music, fundamental 2. and theoretical part of Indian instrumental Music 3. students.
	स्नातक स्तर के लिये पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. भारतीय वाद्य संगीत के मूल सिद्धांतों एवं 2. सैद्धांतिक व शास्त्र पक्ष से विद्यार्थियों को अवगत करना। 3.
6.	PROGRAM OUTCOME (PO) FOR PG	1. 2. 3.
	स्नातकोत्तर स्तर के लिये पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. 2. 3.
7.	PROGRAM OUTCOME (PO) FOR Ph.D	1. 2. 3.
	पीएच.डी के लिये पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. 2. 3.

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Dance) SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A
INTRODUCTION OF THE PAPER
भाग – अ
प्रश्न-पत्र का परिचय

SESSION : सत्र : 2021-2022	PROGRAM : प्रोग्राम : B.A.	YEAR : वर्ष : IInd year	SUBJECT : विषय : Dance

SUBJECT : विषय : Music (Dance)

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper I सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in 12th and 1st year बारहवी एवं प्रथम वर्ष उत्तीर्ण
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का परिचय 2. कथक नृत्य का ऐतिहासिक एवं सिद्धान्तों का परिचय 3. नाट्यशास्त्र एवं अभिनय दर्पण ग्रंथ का परिचय 4. ताल का परिचय 5. लोकनृत्य का विस्तृत परिचय 6. श्रेष्ठ संगीतकारों का संगीत में योगदान
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. छात्राओं को भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सैद्धांतिक एवं 2. प्रायोगिक पक्ष की जानकारी, जिससे विषय के प्रति रुचि 3. एवं रुझान बढ़े। 4. 5. 6.
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: अधिकतम अंक : 50 / MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 17

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Dance) **SUBJECT**

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A INTRODUCTION OF THE PAPER भाग – अ प्रश्न-पत्र का परिचय			
SESSION : सत्र : 2021-2022	PROGRAM : प्रोग्राम : B.A.	YEAR : वर्ष : III rd Year	SUBJECT : विषय : Dance

	SUBJECT : विषय : Music (Dance)	
1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper I सैद्धाँतिक प्रथम प्रश्नपत्र
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in 12th 1st year, IInd year
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. भारतीय नृत्यकला के विकास का इतिहास 2. ताल के दश प्राण 3. भातखंडे ताल पद्धति 4. राजा चक्रधर सिंह का नृत्य के विकास में योगदान 5. रासलीला एवं कथक नृत्य 6. श्रेष्ठ संगीतकारों का संगीत में योगदान
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. छात्राओं को भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सैद्धांतिक एवं 2. प्रायोगिक पक्ष की जानकारी .जिससे विषय के प्रति रूचि 3. एवं रुझान बढ़े। 4. 5. 6.
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: अधिकतम अंक : 50 MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 17

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music / Dance **SUBJECT**

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां		
1.	PROGRAM SPECIFIC TITLE : विशिष्ट प्रोग्राम का शीर्षक	B.A. बी. ए.
2.	PROGRAM TYPE : विशिष्ट प्रोग्राम का प्रकार	Regular नियमित
3.	PROGRAM CODE : विशिष्ट प्रोग्राम का कोड	
4.	PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) FOR UG	1. 2. 3. 4.
	स्नातक स्तर के लिये विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां	1. भारतीय संगीत एवं नृत्य के मूल सिद्धांतों एवं 2. शास्त्र पक्ष से विद्यार्थियों को अवगत कराना, 3. जिससे उच्चस्तरीय अध्ययन की तैयारी हो सके। 4.
5.	PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) FOR PG	1. 2. 3. 4.
	स्नातकोत्तर स्तर पर विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां	1. 2. 3. 4.
6.	PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) FOR Ph.D	1. 2. 3. 4.
	पीएच.डी स्तर पर विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां	1. 2. 3. 4.

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Vocal/Instrumental) **SUBJECT**

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A
INTRODUCTION OF THE PAPER
भाग – अ
प्रश्न–पत्र का परिचय

SESSION : सत्र : 2021 - 2022	PROGRAM : प्रोग्राम : M.A.	YEAR : वर्ष : M.A. I st Sem	SUBJECT : Vocal/Instrumental विषय : गायन/वादन

SUBJECT : विषय : Music (Vocal/Instrumental)

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory I Paper Sangeet ke samanya Evam Vayharik Sidhant सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र संगीत के सामान्य एवं व्यावहारिक सिद्धांत
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in B.A. स्नातक उत्तीर्ण
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. 2. 3. 4. 5. 6. भारत में संगीत के उद्गम, विकास की ऐतिहासिक जानकारी प्रदान कराना एवं शास्त्र की स्थापित तकनीक की मान्यता का ज्ञान/रागों की जानकारी तालों की लयकारियां, रस एवं राग की अवधारणा स्पष्ट करना।
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. 2. 3. 4. 5. 6. उन विषयों, बिन्दुओं, विचारों, मतों का अध्ययन होना, जिससे शोध के लिए अवसर प्राप्त हो सकें।
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: 85 अधिकतम अंक : 85 आ.मू. 15
		MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 30.6 = 31

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Vocal/Instrumental) SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A

INTRODUCTION OF THE PAPER

भाग – अ

प्रश्न-पत्र का परिचय

SESSION : सत्र : 2021-2022	PROGRAM : प्रोग्राम : M.A.	YEAR : वर्ष : M.A. I 1st Sem	SUBJECT : Vocal/Instrumental विषय : गायन/वाद्य
		SUBJECT : विषय : Music (Vocal/Instrumental)	

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory II Paper Bhartiya Sangeet ka Itihas सैद्धांतिक II Paper भारतीय संगीत का इतिहास
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in B.A. स्नातक उत्तीर्ण
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. भारतीय संगीत के उत्पत्ति के मत मतान्तर एवं 2. ऐतिहासिक अनुक्रम का अध्ययन एवं संगीत 3. 4. के लिए मानक ग्रंथ नाट्यशास्त्र एवं 5. 6. संगीत रत्नाकर के सिद्धांतों की जानकारी।
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. उक्त पाठ्यक्रम का उपयोग विद्यार्थियों को 2. 3. भारतीय संगीत की ऐतिहासिक अध्ययन की 4. 5. विकास दृष्टि देगा; जो उन्हें शोध के लिए, 6. परियोजनाओं के कार्य हेतु उपयोगी सिद्ध होगा।
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: 85 अधिकतम अंक : 85 आ.मू. 15 — MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 30.6 = 31

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music Vocal and Instrument **SUBJECT**

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A INTRODUCTION OF THE PAPER भाग – अ प्रश्न-पत्र का परिचय			
SESSION : सत्र : २०२१-२२	PROGRAM : M.A. प्रोग्राम :	YEAR : M.A IInd Sem वर्ष :	SUBJECT : Music Vocal and Instrument विषय : संगीत-गायन एवं वादन

SUBJECT : विषय :		
1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper-II Bhartiya Sangeet Ka Itihas सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्नपत्र - भारतीय संगीत का इतिहास
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	U.G. Pass in any faculty किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. स्वरमेल, स्वर प्रस्तार का विस्तृत परिचय 2. भारतीय संगीत का मध्यकालीन इतिहास 3. संगीत के घरानों का अध्ययन 4. पं. भातखंडे का सांगीतिक योगदान 5. पं. पलुस्कर का सांगीतिक योगदान 6. संगीत विषयक निबंध
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. छात्राओं को भारतीय शास्त्रीय संगीत की 2. 3. सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक पक्ष की उच्चस्तरीय 4. जानकारी एवं शोध कार्य हेतु प्रोत्साहित करना। 5. 6.
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: 85 / अधिकतम अंक : आ.मू. 15 — MIN. PASSING MARKS: 29 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 05

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music Vocal and Instrument **SUBJECT**
संगीत गायन एवं वादन

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A
INTRODUCTION OF THE PAPER
भाग – अ
प्रश्न-पत्र का परिचय

SESSION : सत्र : 2021-22	PROGRAM : प्रोग्राम : M.A. एम.ए.	YEAR : वर्ष : M.A. II nd sem	SUBJECT : Music Vocal and Instrument विषय : संगीत गायन एवं वादन

SUBJECT :
विषय :

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper-I - Sangeet ke Samanya Evam Vyavharik Siddhant सैद्धांतिक प्रथम प्रश्नपत्र - संगीत के सामान्य एवं व्यावहारिक सिद्धान्त
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	U.G. Pass in any faculty किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. विभिन्न रागों का परिचय 2. बंदिशों का स्वरलिपि लेखन 3. मेजर माइनर हेमीटोन का परिचय 4. राग वर्गीकरण का अध्ययन 5. वादन में गत रचना 6. वक्र लयकारियों का अभ्यास
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. छात्राओं को भारतीय शास्त्रीय संगीत की 2. सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक पक्ष की उच्चस्तरीय 3. जानकारी एवं शोध कार्य हेतु प्रोत्साहित करना। 4. 5. 6.
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: 85 अधिकतम अंक : आ.मू. 15 — MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 34 29 05

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Vocal / Instrument) **SUBJECT**

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A
INTRODUCTION OF THE PAPER
भाग – अ
प्रश्न-पत्र का परिचय

SESSION : 2021-2022 सत्र : 2021-2022	PROGRAM : M.A III Sem प्रोग्राम : एम.ए. तृतीय सेम	YEAR : III Semester वर्ष : तृतीय सेमेस्टर	SUBJECT : Vocal / Instrument विषय : कंठ / वादन

SUBJECT : Music (Vocal / Instrument)
विषय : संगीत (कंठ / वादन)

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory I st Vehvaharik Evam Kriyatmak Sangeet Shastra सैद्धांतिक I st व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र।
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	P.G. Pass in any faculty I st and II nd Semester किसी भी विषय में पी.जी. उत्तीर्ण प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. Student will have detail knowledge of rags. 2. Know to write notation of bandis. 3. Know about Indian and western notation 4. Gain knowledge of different geet forms. 5. Learn about principles of Indian music system 6. Student-
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. रागों का विस्तृत ज्ञान होगा 2. बंदिशों के लेखन का ज्ञान 3. भारतीय एवं पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति का ज्ञान होगा। 4. वाद्य यंत्र की जानकारी होगी 5. गीत शैलियों से अवगत होंगे 6. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के सिद्धांतों का ज्ञान होगा। 7. विभिन्न कलाकारों के योगदान से प्रेरणा मिलेगी
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक 100	MAX.MARKS: ICE अधिकतम अंक : 85 + 15 MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 29

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Vocal/Instrument) **SUBJECT**

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A INTRODUCTION OF THE PAPER भाग – अ प्रश्न–पत्र का परिचय		
SESSION : 2021-2022 सत्र : 2021 – 2022	PROGRAM : M.A प्रोग्राम : एम . ए .	YEAR : III[rd] Semester वर्ष : तृतीय सेमेस्टर
SUBJECT : ~~Vocal~~ /Instrument विषय : कंठ /वादन		
SUBJECT : Music (Vocal/Instrument) विषय : संगीत (गायन / वादन)		

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper II – Dwani Shastra Evam Rachna Tatha Nibhand सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्नपत्र - ध्वनिशास्त्र एवं रचना तथा निबंध
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	Pass in MA I[st] and II[nd] Semester MA प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर में उत्तीर्ण
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. मार्गी, देशी संगीत और कंठ स्वर ~~संस्कार~~ की पूर्ण जानकारी 2. भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण का ज्ञान होगा। 3. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे 4. गीत रचना के सिद्धांतों की जानकारी होगी एवं बोलों के 5. आधार पर अन्य ताल में रचना ~~करने~~ की क्षमता होगी। 6. निबंध लेखन कर सकेंगे।
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. Full information of Margi, ~~[illegible]~~ Deshi music & Voice culture. 2. Knowledge of Classification of Indian music Instrument. 3. Know about Indian & Karnatak music system. 4. learn about geet rachna and compose gat of 5. any other tal. 6. learn to write essay on music topic.
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक 100	MAX.MARKS: अधिकतम अंक : 85+15 MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 29

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Vocal/Instrument) SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A
INTRODUCTION OF THE PAPER
भाग – अ
प्रश्न-पत्र का परिचय

SESSION : 2021-2022 सत्र : 2021 – 2022	PROGRAM : M.A प्रोग्राम : एम. ए.	YEAR : III rd Semester वर्ष : तृतीय सेमेस्टर	SUBJECT : Vocal / Instrument विषय : कंठ / वादन

SUBJECT : Music (Vocal / Instrument)
विषय : संगीत (गायन / वादन)

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper II – Dwani shastra Evam Rachna Tatha Nibhand सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्नपत्र - ध्वनिशास्त्र एवं रचना तथा निबंध
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in MA I st and II nd Semester MA प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर में उत्तीर्ण
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. मार्गी, देशी संगीत और कंठ स्वर संस्कार की पूर्ण जानकारी 2. भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण का ज्ञान होगा 3. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे 4. गीत रचना के सिद्धांतों की जानकारी होगी, एवं बोलों के 5. आधार पर अन्य ताल में रचना करने की क्षमता होगी 6. निबंध लेखन का ज्ञान होगा।
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. Full information of Margi, Deshi music & Voice culture. 2. Knowledge of Classification of Indian music Instrument. 3. Know about Indian & Karnatak music system. 4. learn about geet rachna and compose gat for 5. any other taal. 6. learn to write essay on music topic.
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक 100	MAX.MARKS: अधिकतम अंक : 85+15
		MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 29

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Vocal / Instrumental SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A INTRODUCTION OF THE PAPER भाग – अ प्रश्न–पत्र का परिचय				
SESSION : सत्र : 2021-2022	PROGRAM : प्रोग्राम : M.A.		YEAR : M.A. IV Sem. वर्ष : First Paper	SUBJECT : Vocal विषय : Intrumental
व्यावहारिक एवं क्रियात्मक संगीतशास्त्र		SUBJECT : विषय : Music-Vocal/Intrumental		
1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper I सैद्धांतिक प्रथम प्रश्नपत्र		
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित		
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	401		
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	Pass in III Semester तृतीय सेमेस्टर उत्तीर्ण		
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. विभिन्न रागों का परिचय एवं अध्ययन। 2. स्वरलिपि बंदिशों में लिखने का अभ्यास। 3. उत्तर-दक्षिण भारतीय ताल पद्धतियां एवं भातखंडे पद्धति। 4. पाश्चात्य, सुगम एवं अवनद्ध संगीत का अध्ययन। 5. विभिन्न तालों में आड़, कुआड़, बिआड़ का अध्ययन। 6. विभिन्न तालों में गत रचना का अभ्यास।		
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. भारतीय संगीत के मूल शास्त्रों, सिद्धांतो एवं 2. प्रयोगात्मक पद्धति से शोधकार्य हेतु अग्रसर 3. हो एवं विषय के प्रति रुझान बढ़े। 4. 5. 6.		
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान			
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: 85 अधिकतम अंक : 15	MIN. PASSING MARKS: 29 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 05	

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Vocal/Instrumental SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PART – A
INTRODUCTION OF THE PAPER
भाग – अ
प्रश्न-पत्र का परिचय

SESSION : सत्र : 2021-2022	PROGRAM : प्रोग्राम : M.A.	YEAR : वर्ष : M.A. IV sem. Second Paper	SUBJECT : विषय : Vocal Intrumental

SUBJECT : विषय : ध्वनिशास्त्र एवंरचना तथा निबंध Music – Vocal / Instrumental

1.	COURSE TITLE : पाठ्यक्रम का शीर्षक	Theory Paper II सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्नपत्र
2.	COURSE TYPE : पाठ्यक्रम का प्रकार	Regular नियमित
	COURSE CODE : पाठ्यक्रम का कोड	402
3.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	PASS in III Semester तृतीय सेमेस्टर उत्तीर्ण
4.	COURSE OUTCOME (CO)	1. नाद का अध्ययन एवं श्रवण के सिद्धांत 2. ध्वनि विज्ञान का सम्बन्धित ज्ञान 3. रागांगो का विशेष अध्ययन 4. विभिन्न ग्रंथो का अध्ययन 5. संगीत रचना का अध्ययन 6. संगीत से संबंधित विभिन्न विषयों पर निबंध का अध्ययन
	पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	1. भारतीय संगीत के मूल शास्त्रों सिद्धांतों एवं 2. प्रयोगात्मक पद्धति से शोधकार्य हेतु अग्रसर 3. हों एवं विषय के पूर्ण ज्ञान बढ़े। 4. 5. 6.
5.	CREDIT VALUE : क्रेडिट मान	
6.	TOTAL MARKS कुल अंक	MAX.MARKS: अधिकतम अंक : 85 / 15 — MIN. PASSING MARKS: न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 29 / 05

Scanned with Oken Scanner

Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College
Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR Music (Vocal / Instrumental) SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां		
1.	PROGRAM SPECIFIC TITLE : विशिष्ट प्रोग्राम का शीर्षक	M.A. स्नातकोत्तर
2.	PROGRAM TYPE : विशिष्ट प्रोग्राम का प्रकार	Regular नियमित
3.	PROGRAM CODE : विशिष्ट प्रोग्राम का कोड	
4.	PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) FOR UG	1. 2. 3. 4.
	स्नातक स्तर के लिये विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां	1. 2. 3. 4.
5.	PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) FOR PG	1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययन के उपरांत विद्यार्थियों 2. को शोध की दृष्टि से विभिन्न पहलुओं से परिचित 3. कर उनमें नई सोच देना। 4.
	स्नातकोत्तर स्तर पर विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां	1. 2. 3. 4.
6.	PROGRAM SPECIFIC OUTCOME (PSO) FOR Ph.D	1. 2. 3. 4.
	पीएच.डी स्तर पर विशिष्ट प्रोग्राम की परिलब्धियां	1. 2. 3. 4.

Scanned with Oken Scanner

शास. कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर

संगीत विभाग (लघु अवधि पाठ्यक्रम)

पाठ्यक्रम अवधि – 6 माह

पाठ्यक्रम का नाम – "आरंभिका से स्वरांजलि तक"

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र क्रमांक -1

पूर्णांक 70
आं.मू. 30

मापांक (Modules) :

1. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की प्रमुख गीत शैलियाँ – संक्षिप्त सिद्धान्त एवं प्रायोगिक जानकारी –

   ध्रुवपद, धमार, ख्याल, सरगम, लक्षणगीत, तराना, चतुरंग, अष्टपदी, रास।

2. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की उपशास्त्रीय शैलियाँ –

   संक्षिप्त सिद्धान्त एवं प्रायोगिक जानकारी–

   ठुमरी, दादरा, कजरी, चैती। ग़ज़ल, गीत, भजन।

3. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की परम्परागत ख्याल की रचनाएँ (पं. भातखण्डेकृत क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1 से 6 के अनुसार) – प्रमुख रागों की रचनाएँ – थाटक्रमानुसार

4. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की नवाचार की ख्याल की रचनाएँ।

5. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त प्रमुख तालों की जानकारी – सिद्धांत एवं प्रायोगिक

   दादरा, कहरवा, झपताल, एकताल, चौताल, त्रिताल, तिलवाड़ा

13.10.21

Scanned with Oken Scanner

प्रश्नपत्र क्रमांक - 2

पूर्णांक 70
आं. मू. 30

मापांक (Modules)

1. अ. अलंकारों का परिचय
   ब. निम्न भक्त कवियों की रचनाओं का स्वरबद्ध अध्ययन (कोई दो भक्त कवि एवं उनकी कोई दो-दो रचनाएँ)
   मीरा, कबीर, सूर, तुलसी, नानक।

2. अ. ताल परिचय :- निम्न तालों के लेखन का अभ्यास
   दादरा, रूपक, कहरवा।
   ब. उक्त तालों का हाथ पर प्रायोगिक अभ्यास, दुगुन सहित।

3. अ. राग अभ्यास (सामान्य अध्ययन)
   कल्याण, खमाज, भैरव।
   ब. उक्त रागों में निबद्ध कोई दो फिल्मी गीत।

4. अ. पं. भातखंडे कृत स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।
   - स्वर चिन्ह का परिचय।
   ब. - तालचिन्ह का परिचय।

5. अ. संगीत एवं रस का सम्बन्ध।
   ब. सुगम संगीत में शब्दों का महत्व।

3.10.21